e-paper
सांध्य संस्करण
वर्ष : 1, अंक : 18, पृष्ठ : 2
बुधवार, 16 सितंबर, 2026

अमृत उजाला
Digital News Paper

Scan to Read in Details

amritujala.com

यूपी में पंचायत सहायकों का मानदेय 50% बढ़ा

यूपी में 57 हजार पंचायत सहायकों का मानदेय बढ़ा, अब हर महीने मिलेंगे 9 हजार

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में करीब 57 हजार पंचायत सहायकों के लिए राहत की खबर है। राज्य सरकार ने पंचायत सहायकों के मासिक मानदेय में बढ़ोतरी का फैसला किया है। अब उन्हें 9,000 प्रति माह मानदेय मिलेगा। नई व्यवस्था में पंचायत सहायकों की नौकरी से जुड़ी सुरक्षा को भी मजबूत किया गया है। अब ग्राम प्रधान या पंचायत सचिव अपने स्तर से पंचायत सहायक को नौकरी से नहीं हटा सकेंगे। सेवा समाप्त करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन करना होगा। सरकार के इस फैसले से प्रदेशभर में कार्यरत हजारों पंचायत सहायकों को आर्थिक लाभ मिलने के साथ-साथ सेवा संबंधी सुरक्षा भी मिलने की उम्मीद है। पंचायत सहायकों की भूमिका गांवों में विभिन्न सरकारी योजनाओं और ऑनलाइन सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण है। पंचायत सहायकों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से वार्ता के बाद पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पंचायत सहायकों के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इसके बाद प्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पंचायत सहायकों के हित में लिए गए फैसलों की जानकारी दी गई। पंचायत सहायकों के आंदोलन से जुड़ा एक और बड़ा फैसला किया गया है। सरकार ने बताया है कि आंदोलन के दौरान जिन पंचायत सहायकों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए गए हैं, उन्हें वापस लिया जाएगा। इसके साथ ही आंदोलन के दौरान कार्रवाई करते हुए जिन पंचायत सहायकों को हटा दिया गया था, उन्हें भी दोबारा बहाल किया जाएगा। इस फैसले के बाद आंदोलन से जुड़े पंचायत सहायकों को राहत मिलने की उम्मीद है। सरकार ने मानदेय के साथ उनकी सेवा से जुड़े मुद्दे पर भी फैसला लिया है। महिला पंचायत सहायकों के लिए भी सरकार ने अहम सुविधा का ऐलान किया है। अब महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश की सुविधा मिलेगी। इससे महिला कर्मचारियों को मातृत्व के दौरान काम से संबंधित परिस्थितियों में राहत मिलेगी। पंचायत स्तर पर काम करने वाली महिला सहायकों के लिए यह सुविधा उनके सेवा लाभों से जुड़ा महत्वपूर्ण बदलाव है। पंचायत सहायकों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बातचीत के बाद पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को आंदोलन का नेतृत्व कर रहे पंचायत सहायकों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। प्रतिनिधियों के साथ बातचीत के बाद उनके हित में लिए गए फैसलों की जानकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी गई। इसमें मानदेय बढ़ाने से लेकर सेवा सुरक्षा, मुकदमे वापस लेने, दोबारा बहाली, महिला पंचायत सहायकों के लिए मातृत्व अवकाश और कैशलेस उपचार जैसी सुविधाओं की जानकारी दी गई।

पंचायत सहायकों के लिए क्या-क्या बदला?

- मानदेय 6,000 से बढ़कर 9,000 रुपये प्रतिमाह
- मानदेय में 50 फीसदी बढ़ोतरी
- 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को लाभ
- डीबीटी के जरिए बैंक खाते में भुगतान की तैयारी
- ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव अकेले सेवा से नहीं हटा सकेंगे
- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी हटाने का फैसला करेगी
- आंदोलन के दौरान दर्ज मुकदमे वापस होंगे
- कार्रवाई में हटाए गए पंचायत सहायक बहाल होंगे
- महिला पंचायत सहायकों को मातृत्व अवकाश
- पंचायत सहायकों को कैशलेस उपचार की सुविधा

6 हजार की जगह अब मिलेंगे 9 हजार रुपये

पंचायत सहायकों को अभी तक 6 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाता है। सरकार के नए फैसले के बाद यह राशि बढ़कर 9 हजार रुपये प्रति माह हो जाएगी। इस तरह पंचायत सहायकों के मानदेय में सीधे 3 हजार रुपये महीने की बढ़ोतरी होगी। प्रतिशत के हिसाब से देखें तो यह 50 फीसदी की वृद्धि है। इस फैसले का लाभ उत्तर प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को मिलेगा। पंचायत स्तर पर काम करने वाले इन सहायकों के लिए लंबे समय से मानदेय और दूसरी सुविधाओं को लेकर मांगें सामने आती रही हैं। अब सरकार की ओर से मानदेय बढ़ाने के साथ दूसरी मांगों पर भी फैसले किए गए हैं।

सीधे बैंक खाते में पहुंचेगा बढ़ा हुआ मानदेय

अभी पंचायत सहायकों का मानदेय राज्य वित्त आयोग की धनराशि से दिया जाता है। अब इसमें बदलाव किया जाएगा। सरकार की ओर से बताया गया है कि कैबिनेट से स्वीकृति लेकर डीबीटी यानी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके बाद पंचायत सहायकों को मिलने वाला 9 हजार रुपये का मानदेय सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा। इससे मानदेय भुगतान की व्यवस्था सीधे बैंक खाते से जोड़ दी जाएगी। प्रदेश के 57 हजार से अधिक पंचायत सहायकों को इसका लाभ मिलेगा।

कई दिनों से दे रहे थे धरना

राजधानी लखनऊ के इको गार्डन में पंचायत सहायक कई दिनों से मानदेय बढ़ोतरी और सेवा सुरक्षा की मांग को लेकरधरने पर डटे हुए थे। सोमवार को ही प्रदेश के कोने-कोने से हजारों की संख्या में पहुंचे कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों का साफ आरोप था कि वे ग्राम पंचायतों में डिजिटल पोर्टल के संचालन से लेकर हर जरूरी प्रशासनिक काम अकेले संभालते हैं, लेकिन इसके एवज में उन्हें महीने का महज 6 हजार रुपये दिया जा रहा है। कर्मचारियों ने इसे सीधी तौर पर 'मजदूरी से भी बदतर शोषण' करार दिया था। पंचायत सहायकों की दो-टूक मांग थी कि उनका मानदेय बढ़ाकर कम से कम 30 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए या नियमानुसार न्यूनतम वेतनमान लागू हो। वहीं सोमवार को सिराथू विधायक पल्लवी पटेल भी धरना स्थल पर पहुंचीं और पंचायत सहायकों की मांगों को पूरी तरह जायज ठहराते हुए उनके समर्थन का खुला ऐलान कर दिया था ।

पंचायत सहायकों को कैशलेस उपचार की सुविधा

पंचायत सहायकों के लिए कैशलेस उपचार की सुविधा भी देने का फैसला किया गया है। इस व्यवस्था के तहत पंचायत सहायकों को उपचार के लिए कैशलेस सुविधा का लाभ मिलेगा। यानी मानदेय बढ़ाने के साथ सरकार ने उनके स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधा को भी फैसलों में शामिल किया है। इससे पंचायत सहायकों को इलाज के दौरान आर्थिक सहायता और सुविधा मिलने की व्यवस्था तैयार होगी।

प्रधान और पंचायत सचिव मनमाने तरीके से नहीं हटा सकेंगे

पंचायत सहायकों के लिए सिर्फ मानदेय बढ़ाने का फैसला नहीं हुआ है। सेवा सुरक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। अब ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव अपने स्तर से किसी पंचायत सहायक को नहीं हटा सकेंगे। पंचायत सहायक को सेवा से हटाने के लिए एक निर्धारित प्रक्रिया अपनानी होगी। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की जाएगी। किसी पंचायत सहायक को हटाने का फैसला यही कमेटी कर सकेगी। यानी पंचायत सहायक की सेवा समाप्त करने का फैसला अब ग्राम प्रधान या पंचायत सचिव के स्तर पर अकेले नहीं लिया जा सकेगा। इसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली कमेटी की भूमिका होगी।

अरब सागर में भारतीय युद्धपोत से टकराया पाकिस्तानी नौसेना का जहाज

भारत ने पाक राजनयिक को किया तलब

एजेंसी

नई दिल्ली। अरब सागर में बुधवार को भारतीय नौसेना और पाकिस्तानी नौसेना से जुड़ी एक घटना के बाद दोनों देशों के बीच राजनयिक स्तर पर हलचल बढ़ गई। रिपोर्टों के मुताबिक, पाकिस्तानी नौसेना का एक जहाज अरब सागर में भारतीय नौसेना के युद्धपोत से टकरा गया। घटना के बाद भारत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पाकिस्तान हाई कमीशन के एक राजनयिक को विदेश मंत्रालय में तलब किया। भारत की ओर से घटना को लेकर औपचारिक तौर पर आपत्ति दर्ज कराए जाने और पूरे मामले पर स्पष्टीकरण मांगे जाने की बात सामने आई है।

टक्कर के कारणों की जानकारी का इंतजार

फिलहाल घटना किन परिस्थितियों में हुई और दोनों जहाजों के बीच टक्कर कैसे हुई, इसे लेकर विस्तृत आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। उपलब्ध रिपोर्टों में भी जहाजों को हुए संभावित नुकसान या किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं की गई है। इसलिए घटना के कारणों को लेकर किसी निष्कर्ष पर पहुंचना अभी जल्दबाजी होगी। अरब सागर भारत और पाकिस्तान दोनों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री क्षेत्र है। ऐसे में दोनों देशों की नौसेनाओं के जहाजों के बीच हुई यह घटना संवेदनशील मानी जा रही है।

राजनयिक स्तर पर भारत की प्रतिक्रिया

घटना के बाद पाकिस्तानी राजनयिक को तलब किया जाना भारत की ओर से मामले की गंभीरता को दर्शाता है। भारत इस घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों पर पाकिस्तान से स्पष्टीकरण चाहता है।फिलहाल दोनों देशों की ओर से घटना को लेकर और अधिक आधिकारिक विवरण का इंतजार है। यह भी स्पष्ट होना बाकी है कि टक्कर के बाद दोनों नौसैनिक जहाजों की स्थिति क्या है और घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या था।

अभिजीत दीपके ने किया 'कॉकरोच पार्टी' के नए अभियान का ऐलान

आदिवासी स्कूलों की बदहाली का मुद्दा उठाया

एजेंसी

मुंबई। सामाजिक और राजनीतिक कार्यकर्ता अभिजीत दीपके ने आदिवासी इलाकों के स्कूलों की स्थिति को लेकर एक नए अभियान का ऐलान किया है। इस अभियान के जरिए उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में संचालित स्कूलों की समस्याओं और वहां उपलब्ध शिक्षा सुविधाओं का मुद्दा उठाने की बात कही है। दीपके के मुताबिक, अभियान का उद्देश्य आदिवासी बच्चों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और स्कूलों की बुनियादी व्यवस्थाओं पर ध्यान आकर्षित करना है। उन्होंने स्कूलों की मौजूदा स्थिति को लेकर संबंधित अधिकारियों और सरकार के समक्ष सवाल उठाने की बात कही।

'स्कूल ठीक करो' अभियान पर जोर

अभियान के तहत आदिवासी क्षेत्रों के स्कूलों में भवन, कक्षाओं, शिक्षकों, स्वच्छता और अन्य जरूरी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने पर जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य इन स्कूलों की समस्याओं को सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनाना बताया गया है। अभिजीत दीपके ने अभियान को लेकर लोगों से जुड़ने और आदिवासी बच्चों की शिक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की अपील की है। अभियान के जरिए स्कूलों की वास्तविक स्थिति सामने लाने और सुधार की दिशा में पहल की मांग की जाएगी।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे 10 दिन के लिए बंद, धंसे हिस्से की मरम्मत और जांच शुरू

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे पर सड़क का एक हिस्सा धंसने के बाद एहतियात के तौर पर एक्सप्रेसवे को करीब 10 दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। संबंधित एजेंसियों ने क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का काम शुरू करने के साथ ही घटना के कारणों की जांच भी शुरू कर दी है।

धंसे हिस्से की तकनीकी जांच

सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्से की तकनीकी जांच की जा रही है। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि सड़क धंसने के पीछे क्या कारण रहा और निर्माण से जुड़ी किसी तकनीकी समस्या की इसमें भूमिका है या नहीं। मरम्मत के दौरान संबंधित विशेषज्ञ और इंजीनियर मौके पर स्थिति का आकलन कर रहे हैं। इसके आधार पर सड़क को दोबारा सुरक्षित और मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक, सड़क के जिस हिस्से में समस्या सामने आई है, वहां सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात रोक दिया गया है। मरम्मत पूरी होने और सड़क की स्थिति सुरक्षित पाए जाने के बाद ही एक्सप्रेसवे पर आवागमन बहाल किया जाएगा।

यात्रियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह

एक्सप्रेसवे बंद रहने के दौरान लखनऊ और कानपुर के बीच आने-जाने वाले वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करना होगा। अधिकारियों की ओर से यात्रियों से अपील की गई है कि वे यात्रा से पहले मार्ग की स्थिति की जानकारी लें और निर्धारित डायवर्जन का पालन करें। करीब 10 दिन तक एक्सप्रेसवे बंद रहने से इस मार्ग पर यातायात का दबाव वैकल्पिक रास्तों पर बढ़ सकता है। मरम्मत और जांच पूरी होने के बाद स्थिति की समीक्षा कर एक्सप्रेसवे को दोबारा यातायात के लिए खोला जाएगा।

लखनऊ में आशा वर्कर्स ने डिप्टी सीएम आवास का घेराव किया, 25 हजार मासिक वेतन की मांग

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 75 जिलों से पहुंचीं आशा वर्कर्स ने बुधवार को राजधानी लखनऊ में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता डिप्टी सीएम के आवास के बाहर पहुंचीं और अपनी मांगों को लेकर आवाज उठाई। आशा वर्कर्स की प्रमुख मांग है कि उन्हें 25 हजार प्रति माह वेतन दिया जाए। प्रदर्शनकारी कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाती हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें पर्याप्त मानदेय नहीं मिलता। आशा कार्यकर्ताओं ने सरकार से 25 हजार मासिक वेतन सहित अन्य मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर सुरक्षा व्यवस्था भी की गई। आशा वर्कर्स का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस पहल नहीं होती, तब तक वे अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाती रहेंगी।

75 जिलों से पहुंचीं आशा कार्यकर्ता

प्रदर्शन में प्रदेश के सभी 75 जिलों से आशा वर्कर्स के शामिल होने की बात कही गई है। कार्यकर्ताओं ने सरकार से उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करने और जल्द निर्णय लेने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान आशा वर्कर्स ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी भी की। उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई और काम की जिम्मेदारियों को देखते हुए मौजूदा भुगतान पर्याप्त नहीं है।

अजीत अगरकर का चीफ सिलेक्टर के तौर पर आखिरी दिन, रोहित शर्मा पर फैसले पर टिकी नजरें

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर का कार्यकाल आज समाप्त होने जा रहा है। ऐसे में आगामी भारत-वेस्टइंडीज सीरीज के लिए टीम चयन पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। खासतौर पर रोहित शर्मा के भविष्य और टीम में उनकी भूमिका को लेकर चयन समिति के फैसले का इंतजार है। टीम चयन के दौरान रोहित शर्मा के साथ-साथ विराट कोहली और हार्दिक पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को लेकर भी चर्चा होने की संभावना है। चयन समिति के सामने आगामी मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए टीम संयोजन तय करने की चुनौती होगी।

रोहित शर्मा वाले मामले से अजीत अगरकर दुखी- रिपोर्ट

अजीत अगरकर का चीफ सेलेक्टर के तौर पर कार्यकाल अक्टूबर में खत्म हो रहा है। खबरें तो यही थी कि उनके कार्यकाल को 2027 वर्ल्ड कप तक के लिए बढ़ाया जाएगा। लेकिन माना ये जा रहा है कि अजीत अगरकर, रोहित शर्मा वाले मामले में बीसीसीआई के हस्तक्षेप से दुखी हैं और अब वो अपने कार्यकाल को जारी नहीं रखना चाहते। खेल पत्रकार अभिषेक त्रिपाठी की रिपोर्ट के अनुसार 16 सितंबर को होने वाली सेलेक्शन कमिटी की मीटिंग 99 प्रतिशत अजीत अगरकर की आखिरी मीटिंग होगी।

रोहित शर्मा को लेकर क्या होगा फैसला?

रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद से ही उनके वनडे भविष्य को लेकर सवाल उठते रहे हैं। अब चयन समिति के फैसले से यह स्पष्ट हो सकता है कि आगामी वनडे योजनाओं में रोहित को किस तरह देखा जा रहा है। अगरकर के कार्यकाल के अंतिम दिन होने वाली चयन बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसमें टीम के आगामी कार्यक्रम और अनुभवी खिलाड़ियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं।

नए मुख्य चयनकर्ता की नियुक्ति पर भी नजर

अगरकर के कार्यकाल के बाद चयन समिति में बदलाव होना तय है। ऐसे में क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें इस बात पर भी हैं कि नया मुख्य चयनकर्ता कौन होगा और उसके नेतृत्व में भारतीय टीम की चयन नीति किस दिशा में आगे बढ़ेगी। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज के लिए टीम की घोषणा के साथ ही रोहित शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ खिलाड़ियों को लेकर तस्वीर काफी हद तक साफ होने की उम्मीद है। चयन समिति की बैठक और उससे जुड़े हर अपडेट पर लगातार नजर बनी हुई है।

अमृत उजाला
Digital News Paper

Scan to Read in Details

लखनऊ, बुधवार 16 सितंबर 2026
www:amritujala.com

डिजिटल प्रभाव.............

भक्ति, अनुशासन और आधुनिकता का अद्भुत संगम

जब नोएडा में दिखा भारत की 'जेन-जी' का एक और चेहरा

अक्सर सोशल मीडिया या खबरों की सुर्खियों में जब 'जेन-जी' यानि आज की युवा पीढ़ी की बात होती है, तो दिमाग में प्रगति मैदान जैसी जगहों पर हुए उपद्रव, रील बनाने की होड़ या उद्दंडता की तस्वीरें तैरने लगती हैं। एक आम धारणा बन चुकी है कि यह पीढ़ी अपनी जड़ों से कट चुकी है और इसमें अनुशासन का अभाव है। लेकिन कल सेक्टर 62, नोएडा स्थित गणपति मंदिर के उत्सव में जो नजारा देखने को मिला, उसने इस संकुचित मानसिकता और पूर्वाग्रह (Mindset) को पूरी तरह से धोकर साफ कर दिया। नोएडा के इस गणपति उत्सव में युवा भारत की एक ऐसी तस्वीर देखने को मिली जो मन को विस्मित भी करती है और एक असीम खुशी से भर देती है। यहाँ मौजूद जेन-जी के युवा प्रगति मैदान के हुड़दंगियों से बिलकुल अलग थे–वे पूरी तरह से उत्सव के रंगों और भक्ति के अनूठे प्रवाह में डूबे हुए थे। भक्ति में लीन और अनुशासित इस पीढी को देखना उत्साहित करने वाला नज़ारा था...ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते-झूमते इन युवाओं में असीम उत्साह तो था, लेकिन मर्यादा की सीमा के भीतर। वे गणपति बाप्पा की भक्ति में सराबोर थे, मगर उनका यह उल्लास दूसरों के लिए असुविधा का कारण नहीं बन रहा था। साथ ही संस्कार और बड़ों का सम्मान जो इस आधुनिक पीढ़ी में परंपराओं के प्रति गहरा आदर दिखा। पंडाल में मौजूद बड़ों को सम्मान देना, उनकी मदद करना और व्यवस्था बनाए रखना–इन युवाओं की संवेदनशीलता और संस्कारों को बखूबी दर्शा रहा था। साथ ही सशक्त और शिक्षित भारत की छवि भी दिखी...ये सिर्फ उत्सव मनाने वाले युवा नहीं थे, बल्कि ये सभी बेहतरीन एकेडमिक बैकग्राउंड (अच्छी शिक्षा और करियर) से ताल्लुक रखने वाले समझदार नागरिक थे। वे यह भली-भांति जानते थे कि अपनी संस्कृति का जश्न कैसे जिम्मेदारी के साथ मनाया जाता है। सेक्टर 62 नोएडा के गणपति मंदिर में दिखा यह दृश्य इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि भारत का भविष्य सुरक्षित हाथों में है। भक्ति, उत्साह, आधुनिक सोच और अनुशासन का यह खूबसूरत मिश्रण ही वास्तविक जेन-जी है। यह युवा पीढ़ी भारत की असली आशा और अटूट विश्वास है। ये वे युवा हैं जो टेक्नोलॉजी और मॉडर्न वर्ल्ड में जितने आगे हैं, अपनी सांस्कृतिक जड़ों और नैतिक मूल्यों से भी उतने ही मजबूती से जुड़े हैं। अब जब-जब मेरे मन में इस पीढ़ी पर सवाल उठेंगे, गणपति उत्सव इस बात का जीवंत जवाब बनकर मेरे मन के उथल-पुथल को सम्भाल लेगा।

मालिनी श्रीवास्तव

सपा नेता राजन रिजवी पर महिला बैंककर्मी को आपत्तिजनक चैट भेजने का आरोप

- आईएएस बनाने का भी दिया कथित प्रलोभन

अमृत उजाला संवाददाता

मथुरा। समाजवादी पार्टी के नेता राजन रिजवी के खिलाफ एक महिला बैंककर्मी की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। महिला ने आरोप लगाया है कि नेता ने बिना अनुमति उसका निजी मोबाइल नंबर हासिल किया और इसके बाद व्हाट्सऐप पर आपत्तिजनक संदेश भेजे। मामले में पुलिस ने आईटी एक्ट समेत संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला उस समय चर्चा में आया, जब राजन रिजवी से जुड़ी एक कथित व्हाट्सऐप चैट सोशल मीडिया पर वायरल हुई। रिपोर्टों के मुताबिक, चैट में महिला की तारीफ करने के साथ यह दावा किया गया कि यदि सपा की सरकार बनती है तो राजनीतिक संपर्कों के जरिए उसे मुख्यमंत्री कोटे से डेपुटेशन के आधार पर आईएएस बनवाने की कोशिश की जाएगी। कथित चैट की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

महिला ने लगाए कई गंभीर आरोप

महिला बैंककर्मी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि राजन रिजवी बैंक में ग्राहक के तौर पर आते थे और उनके व्यवहार से वह असहज महसूस करती थीं। महिला के अनुसार, उनका निजी नंबर बिना अनुमति हासिल करने के बाद लगातार संपर्क किया गया। नंबर ब्लॉक करने के बाद भी उनकी गतिविधियों और परिवार से जुड़ी जानकारी जुटाने की कोशिश किए जाने का आरोप लगाया गया है। महिला ने पुलिस से मामले में कथित चैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कराने की मांग की है।

पुलिस ने शुरू की जांच

मथुरा पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामला सामने आने के बाद राजन रिजवी को समाजवादी पार्टी के संबंधित संगठन के पद से हटाए जाने की भी जानकारी सामने आई है।

टिन्नू-रिटायर्ड सुभाष की जमानत पर सुनवाई नहीं हुई

अयोध्या। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावा चोरी प्रकरण में जेल में निरुद्ध दो आरोपियों रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू और सेवानिवृत्त बैंककर्मी सुभाष श्रीवास्तव की जमानत अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम रजत वर्मा के समक्ष विवेचना अधिकारी एवं सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने पुलिस की आख्या दाखिल करने के लिए समय मांगा। पुलिस की ओर से समय मांगे जाने के बाद अदालत ने दोनों आरोपियों की जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए 19 सितंबर की तारीख निर्धारित की है। अब इस तारीख पर पुलिस की ओर से दाखिल की जाने वाली आख्या के आधार पर अदालत में आगे की सुनवाई होगी। राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में कुल आठ आरोपी अयोध्या जेल में निरुद्ध हैं। इन सभी ने जमानत के लिए अदालत का रुख किया है। 5 सितंबर को सभी आठ आरोपियों की जमानत अर्जियां अदालत में दाखिल की गई थीं।

लखनऊ में आज से 85 ट्रेनों के प्लेटफॉर्म बदलेंगे

12 अक्टूबर तक कई ट्रेनों के रूट में बदलाव

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। रेल यात्रियों के लिए जरूरी खबर है। लखनऊ मंडल में चल रहे परिचालन कार्य के चलते बुधवार से कई ट्रेनों के प्लेटफॉर्म और संचालन व्यवस्था में बदलाव किया गया है। करीब 85 ट्रेनों के प्लेटफॉर्म बदले जाएंगे, जबकि कुछ ट्रेनों के मार्ग में भी परिवर्तन किया गया है। रेलवे की ओर से यह बदलाव 12 अक्टूबर 2026 तक लागू रहने की जानकारी दी गई है। ब्लॉक के दौरान ट्रेनों के संचालन को व्यवस्थित रखने और यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने कई स्तर पर बदलाव किए हैं। ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनों के निर्धारित मार्ग में भी बदलाव किया गया है। इसके अलावा परिचालन व्यवस्था के अनुसार कुछ ट्रेनों के संचालन पर भी असर पड़ सकता है। यात्रियों को संबंधित ट्रेन के ताजा शेड्यूल की जानकारी लेकर ही यात्रा करने की सलाह दी गई है। रेलवे का कहना है कि कार्य पूरा होने के बाद ट्रेनों का संचालन सामान्य व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक बदलाव किए जा रहे हैं।

यात्रा से पहले प्लेटफॉर्म की जानकारी जरूर लें

प्लेटफॉर्म में बदलाव होने से यात्रियों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। जिन यात्रियों की ट्रेन लखनऊ स्टेशन से रवाना होगी या यहां पहुंचेगी, उन्हें स्टेशन पर लगे इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड और उद्घोषणा के माध्यम से अपने ट्रेन के प्लेटफॉर्म की जानकारी लेते रहना चाहिए। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेन का प्लेटफॉर्म और संचालन संबंधी अपडेट जरूर जांच लें, ताकि अंतिम समय में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

मनोरंजन............

शालिनी पांडे का भावुक गणपति संदेश त्योहार प्यार से मनाएं, शोर से नहीं

मुंबई। अभिनेत्री शालिनी पांडे ने इस गणपति उत्सव पर एक डरी हुई छोटी बिल्ली के साथ हुए अपने खास अनुभव को साझा करते हुए दया, करुणा और जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाने का संदेश दिया है। अपने सोशल मीडिया के ज़रिए शालिनी ने उस प्यारी सी नन्ही जान की झलकियां साझा की हैं, जो तेज आवाज़ और पटाखों के शोर से घबराकर उनके पास आ गई थी। इस अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने लिखा है, एक डरी हुई नन्ही जान, जो शोर और पटाखों की आवाज़ से घबरा गई थी, मेरे पास चली आई। उस शांत पल में शायद उसे एहसास हो गया था कि मैं उसे सुरक्षित महसूस कराने की कोशिश कर रही हूं, और बदले में उसने मुझे ऐसा एहसास दिया जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। अपनी बात आगे बढ़ाते हुए उन्होंने ये भी लिखा है, हो सकता है उनके पास हमारी तरह शब्द न हों, लेकिन वे डर, भूख, दर्द, सुरक्षा और शायद प्यार को हमसे भी कहीं गहराई से समझते हैं। तो इस गणपति, अगर आपको कोई डरी हुई जान मिले, तो उसके प्रति दयालु बनें। उसकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें। अगर संभव हो, तो उसे थोड़ा सुरक्षित महसूस कराएं। प्यार के साथ जश्न मनाइए, शोर के साथ नहीं। कभी-कभी थोड़ी सी दयालुता बहुत बड़ा बदलाव ला सकती है। गणपति बप्पा मोरया। अपने इस भावुक संदेश के जरिए शालिनी ने बेहद सहजता से यह याद दिलाया कि तेज आवाज़ और पटाखों का शोर जानवरों के लिए कितना डर और बेचैनी पैदा कर सकता है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि हमारी थोड़ी सी संवेदनशीलता और करुणा उन्हें सुरक्षा का एहसास दिला सकती है।

लखीमपुर में मगरमच्छ के हमले में अधेड़ की मौत

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में बुधवार सुबह 7 बजे मगरमच्छ के हमले में एक अधेड़ की मौत हो गई। अधेड़ पुलिया के किनारे मछली पकड़ने पहुंचा था। उसका एक पैर पानी के अंदर था और दूसरा जमीन था। मछली पकड़ने के लिए जाल फेंकते ही उसको मगरमच्छ ने पानी में खींच लिया। साथ आए लोगों ने उसको बचाने की कोशिश की लेकिन उसका कहीं कुछ पता नहीं चला। इसके बाद गांव के लोग पानी में उतरकर उसकी तलाश करने लगे। कुछ दूर जाने पर ग्रामीणों का उसका शव मिल गया। अधेड़ के गले में चोट के गहरे निशान हैं। ये मामला लखीमपुर खीरी के पलिया थाना क्षेत्र के बंसीनगर इलाके का है। यहां के रहने वाले अली हुसैन (55) बुधवार सुबह अपने साथियों के साथ बंसीनगर स्थित तेरा गोले वाली पुलिया के पास मछली पकड़ने पहुंचे थे। तभी मगरमच्छ ने उन पर हमला कर दिया।

विश्वकर्मा पूजा कल, मशीनों और औजारों की पूजा का विशेष महत्व

एस.एस. नागपाल

भगवान विश्वकर्मा को देवताओं का शिल्पकार और वास्तु एवं निर्माण कला का देवता माना जाता है। हर साल कन्या संक्रांति के अवसर पर विश्वकर्मा पूजा की जाती है। इस दिन खासतौर पर कारखानों, वर्कशॉप, मशीनों, औजारों और निर्माण से जुड़े उपकरणों की पूजा करने की परंपरा है। सभी अस्त्र-शस्त्र व वाहनों का निर्माण विश्वकर्मा जी ने किया था। देवताओ का स्वर्ग हो, सोने की लंका हो या भगवान कृष्ण जी की द्वारिका नगरी और पांडवो की राजधानी हस्तिनापुर इन सभी राजधानियों का निर्माण भगवान विश्वकर्मा द्वारा किया गया है। जो की वास्तु कला की अद्भुत मिशाल है।

विश्वकर्मा जी को औजारों का देवता भी कहा जाता है। भगवान विश्वकर्मा ने इन्द्रपुरी, पुष्पक विमान, इंद्रप्रस्थ, इंद्र का वज्र, इंद्र और कुबेर के महल का निर्माण किया। कर्ण के कुण्डल, भगवान विष्णु का सुदर्शन चक्र, शंकर भगवान का त्रिशूल यमराज का कालदण्ड का निर्माण किया था। सभी देवी- देवताओं भवन और दैनिक उपयोग में आने वाली वस्तुओं का निर्माण किया है. अतः इस दिन सभी फैक्ट्री, दुकानों व निर्माण स्थलों पर जहाँ औजारों व मशीनों का उपयोग होता है सभी लोग भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते है। हिन्दू धर्म शास्त्रो के अनुसार ब्रह्मा जी के पुत्र धर्म के सातवे संतान जिनका नाम वास्तु था। विश्वकर्मा जी वास्तु के पुत्र थे जो अपने माता-पिता की भांति महान शिल्पकार हुए जिन्होंने इस सृस्टि में अनेको प्रकार के निर्माण इन्ही के द्वारा हुआ। विश्वकर्मा पूजा के दिन षष्ठी तिथि,चन्द्रमा वृश्चिक राशि, अनुराधा नक्षत्र रहेगा। विश्वकर्मा पूजा के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग का संयोग भी बन रहा है। सुबह 7:58 बजे से दोपहर 1:48 बजे तक भी पूजा के लिए समय उत्तम रहेगा। 17 सितम्बर को प्रातः 07:58 पर सूर्य सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करेगें। संक्रांति का पुण्यकाल का मुहूर्त प्रातः 07:58 से लेकर दोपहर 02:31 तक है संक्रांति के पुण्य काल में पूजा-पाठ, दान-पुण्य और धार्मिक कार्यो के लिए बेहद शुभ माना गया है।

विश्कर्मा पूजा विधि

भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने के लिए सुबह स्वच्छ कपड़े पहनें और भगवान विश्वकर्मा के चित्र को पीले वस्त्र पर रख कर पूजा करें। भगवान विश्वकर्मा की पूजा में, अक्षत, हल्दी, फूल, पान, लौंग, सुपारी, मिठाई, फल, धूप, दीप और रक्षासूत्र से पूजा शुरु करें. आप जिन वस्तुओं / मशीन / औजारो की पूजा करना चाहते हैं उन पर हल्दी और चावल लगाएं. इसके बाद कलश को हल्दी और चावल के साथ रक्षासूत्र चढ़ाएं, इसके बाद पूजा करें. जब पूजा समाप्ति पर सभी लोगों में प्रसाद का वितरण करें।

आजाद समाज पार्टी ने राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

अमृत उजाला संवाददाता

बहराइच। बहराइच में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के जिलाध्यक्ष सुहेल के नेतृत्व में बुधवार दोपहर करीब 11 बजे एक प्रदर्शन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा गया। इसमें सामाजिक न्याय, कानून-व्यवस्था और संवैधानिक अधिकारों से जुड़े कई मुद्दों के समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में गोंडा और अयोध्या की घटनाओं, बाराबंकी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर आजाद के काफिले पर हुए हमले का जिक्र था। इसके अलावा पंचायत सहायकों की मांगों, 68,500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण से जुड़े मामले और धार्मिक स्थलों से जुड़े मुद्दों को भी उठाया गया। पार्टी ने ज्ञापन में बताया कि 13 सितंबर को बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र के बूढ़वल में चंद्रशेखर आजाद के काफिले को रोका गया था। इस दौरान पथराव और हिंसक हमले की शिकायत मिली थी। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच, सीसीटीवी फुटेज व इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को सुरक्षित रखने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

बाराबंकी कोर्ट ने 70 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया

अमृत उजाला संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी में पॉक्सो कोर्ट के विशेष न्यायाधीश श्रीकृष्ण चंद्र सिंह ने एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी ठहराया है। अदालत ने दोषी राका उर्फ राकेश कुमार को 20 साल जेल की सजा सुनाई। उस पर 70 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। यह जुर्माना पीड़िता को दिया जाएगा। विशेष लोक अभियोजक लव त्रिपाठी ने बताया कि बड्डूपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 10 अगस्त 2023 को पुलिस को शिकायत दी थी। उन्होंने बताया था कि वह मजदूरी करने महमूदाबाद गए थे, जबकि उनकी पत्नी खेत पर काम कर रही थी। इस दौरान उनकी नाबालिग बेटी घर पर अकेली थी। दोपहर करीब दो बजे जब पत्नी खेत से घर लौटी, तो बेटी घर पर नहीं मिली। जानकारी करने पर पता चला कि वह दोपहर करीब 12 बजे घर से कहीं चली गई थी।

अमृत उजाला ई-पेपर
amritujala.com
का डिजिटल प्रकाशन है

प्रधान संपादक
डॉ.अखंड प्रताप सिंह

कार्यकारी संपादक
सुषमा पांडेय

सम्पर्क
editor@amritujala.com
अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क
328 एक्सपिरियो बिल्डिंग,
विभूति खंड, गोमती नगर,
लखनऊ - 226010

नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद का बड़ा आरोप

बोले- मेरी हत्या की साजिश रची गई, उच्चस्तरीय जांच हो

- चंद्रशेखर का यह बयान हाल में उनके काफिले को रोके जाने और उससे जुड़े विवाद के बाद सामने आया

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि उनकी हत्या की साजिश रची गई है और पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराई जानी चाहिए। चंद्रशेखर का यह बयान हाल में उनके काफिले को रोके जाने और उससे जुड़े विवाद के बाद सामने आया है। इससे पहले बाराबंकी में गोंडा जा रहे उनके काफिले को पुलिस ने रोका था। इस दौरान उन्हें कुछ समय के लिए रोके जाने की भी जानकारी सामने आई थी।

काफिले पर पथराव का भी लगाया आरोप

चंद्रशेखर ने अपने काफिले पर पथराव और सुरक्षा में चूक का भी आरोप लगाया था। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर इस संबंध में शिकायत दी और घटना की जांच की मांग की। पुलिस की ओर से उस समय मामले की जांच किए जाने की बात कही गई थी। सांसद ने कहा कि वह अपने विरोधियों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मौत से डरकर जिया नहीं जा सकता और वह अपने लोगों के साथ खड़े रहेंगे। साथ ही उन्होंने सरकार और प्रशासन से अपनी सुरक्षा तथा पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। फिलहाल हत्या की कथित साजिश को लेकर चंद्रशेखर की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और जांच के आधिकारिक निष्कर्ष सामने आना बाकी है।

सांध्य ईपेपर
अमृत उजाला
Digital News Paper
हमसे जुड़ें अभी क्लिक करें
amritujala.com | उत्तर प्रदेश | देश-विदेश | व्यापार | मनोरंजन

अमृत उजाला सांध्य ईपेपर
को जिला संवाददाता चाहिए
अपने जिले की खबर, अब आपकी कलम से

अमृत उजाला (डिजिटल न्यूज़ चैनल) उत्तर प्रदेश के सभी जिलों से सक्रिय, जिम्मेदार और स्थानीय मुद्दों पर लिखने वाले जिला संवाददाताओं की नियुक्ति कर रहा है!

आवश्यकता
- कानपुर
- कानपुर देहात
- प्रयागराज
- नोएडा
- गाजियाबाद
- आगरा
- अलीगढ़
- मेरठ
- मुज़फ़्फ़रनगर
- बरेली
- शाहजहांपुर
- मुरादाबाद
- पीलीभीत
- देहरादून
- उधम सिंह नगर
- नैनीताल
- हल्द्वानी
- भदोही
- गोरखपुर
- वाराणसी
- देवरिया
- महराजगंज
- एटा
- गाज़ीपुर
- अम्बेडकरनगर
- बलरामपुर
- झांसी
- रायबरेली
- बस्ती
- सुल्तानपुर
- उन्नाव
- बुलंदशहर
- बांदा
- चित्रकूट
- इटावा
- फर्रुखाबाद
- हरदोई
- कन्नौज
- मैनपुरी
- मऊ
- मिर्जापुर
- रामपुर
- आजमगढ़
- हाथरस
- सीतापुर

हम क्या चाहते हैं?
- अपने जिले की ग्राउंड रिपोर्टिंग करने की इच्छा
- स्थानीय नेटवर्क और मजबूत संवाद क्षमता
- समाचार, फोटो और वीडियो भेजने की क्षमता
- निष्पक्ष और तथ्यात्मक पत्रकारिता के प्रति प्रतिबद्धता

क्या मिलेगा?
- अत्यंत आकर्षक कमीशन
- डिजिटल मीडिया में कार्य का अनुभव
- भविष्य में विशेष संवाददाता / ब्यूरो चीफ बनने का अवसर
- प्रशंसा और पहचान का मंच

अमृत उजाला NEWS
PRESS
जिले की खबर, जिला संवाददाता ही सबसे बेहतर!

इच्छुक व्यक्ति तुरंत व्हाट्सऐप करें: 9580456295
QR कोड स्कैन करें और जुड़ें
editor@amritujala.com
www.amritujala.com

कार्यालय पता:
328, Experio Commercial Building,
Vibhuti Khand, Gomtinagar, Lucknow - 226010, Uttar Pradesh

ASTERA MEDIA NETWORK PRIVATE LIMITED
Publisher of Amrit Ujala Digital

गाँव – गाँव की आवाज़, अब आपके साथ